

रघुराज पुं. (तत्.) श्री रामचंद्र दे. रघुनाथ।

रघुवंश पुं. (तत्.) 1. राजा रघु का वंश या खानदान, रघुकुल 2. महाकवि कालिदास द्वारा रचित एक श्रेष्ठ संस्कृत-महाकाव्य।

रघुवंशी वि. (तत्.) 1. राजा रघु के वंश में उत्पन्न 2. रघुवंश से संबंधित, रघुवंश का 3. पुं. क्षत्रियों की एक जाति।

रघुवर वि. (तत्.) 1. रघुवंशियों में श्रेष्ठ पुरुष 2. श्री रामचंद्र।

रघौती स्त्री. (देश.) बड़े व्यापारियों द्वारा अन्य व्यापारियों को भेजी जाने वाली वस्तुओं की मूल्य-सूची, भाव या दरों को सूचित करने वाला कागज या परिपत्र। circula

रचना स्त्री. (तत्.) 1. बनाने की क्रिया या भाव, निर्माण 2. बनाने का ढंग, बनावट, बनाव 3. निर्माण-कौशल बनाने की चतुराई 4. बनाई गई वस्तु, कृति 5. बाल सँवारना, केश-विन्यास 6. अच्छी तरह सजाना या सँवारना, शृंगार करना 7. कोई महाकाव्य, नाटक, उपन्यास आदि सर्जनात्मक ग्रंथ या कविता, गीत, निबंध, कहानी इत्यादि, नवसृष्टि 8. मानसिक सृष्टि या कल्पना 9. प्रयत्नपूर्वक किया हुआ काम 10. कलात्मक निर्माण 11. रसायन विज्ञान में रासायनिक संघटन वि. (तत्.) रचना की प्रक्रिया या विधि, संरचना स.क्रि. (देश.) 1. बनाना, किसी वस्तु को हाथ से बनाकर तैयार करना, सृजन विधान करना 2. किसी प्रकार की साहित्यिक कृति या कलात्मक निर्माण करना 3. किसी नियम, विनियम, अधिनियम आदि का तैयार करना, उत्पन्न करना 4. कोई अनुष्ठान करना या षडयंत्र करना 5. उपाय करना, आयोजित करना अ.क्रि. रंगा जाना, सुंदर रूप में रखना, शृंगार करना, सजाना, सँवारना।

रचना-धर्मी पुं. (तत्.) किसी क्षेत्र विशेष में लेखक, कवि, कलाकार मूर्तिकार, चित्रकार आदि।

रचयिता वि. (तत्.) रचना करने वाला या बनाने वाला पुं. तत्. 1. निर्माता, निर्माण करने वाले,

ग्रंथकार 2. कलाकार, मूर्तिकार, चित्रकार, कवि, लेखक, उपन्यासकार आदि।

रचयित्री स्त्री. (तत्.) रचयिता का स्त्रीलिंग, महिला-रचयिता दे. रचयिता।

रचाना क्रि. (देश.) 1. रचवाना 2. किसी आयोजन, संभार, समारोह, उत्सव, अनुष्ठान को कराना 2. रँगाना उदा. मेंहदी रचाना।

रजःकण वि. (तत्.) 1. धूल के कण, गर्द 2. रजकण 3. फूल के पराग के कण।

रज पुं. (तत्.) 1. धूल, गर्द 2. खेत, पापड़ा 3. सूर्य की किरणों में इधर-उधर चलने वाले धूल के कण 4. प्रकाश, ज्योति 5. फूलों का पराग, पुष्परज 6. कुसुम 7. अंधकार, अँधेरा, मलिनता, आवेश 8. मानसिक अंधकार, अज्ञान 9. अज्ञान से उत्पन्न पाप या मन का दुर्भाव 10. स्त्रियों का मासिक रक्तस्राव, आर्तव, माहवारी 11. ऋतुस्राव 12. एक प्राचीन तौल-आठ परमाणुओं का भार 13. प्रकृति के तीन गुणों में से एक रजो गुण 14. जैन धर्म में ज्ञान और दर्शन के आवरण रूपकर्म 15. मोह 10. धोबी, रजक 16. राजकीय प्रताप, राजत्व 17. रजत, चाँदी 18. जल, पानी 19. बादल।

रजई पुं. (देश.) राजत्व, राजापन।

रजक पुं. (तत्.) धोबी।

रजगुण पुं. (देश.) रजोगुण, प्रकृति के तीन गुणों अर्थात् सत्त्व गुण, तमोगुण और रजोगुण में से अंतिम, इस गुण में व्यक्ति राजसी इच्छा, लोभ, एवं लाभ वृत्ति वाला होता है।

रजत वि. (तत्.) 1. चाँदी, रूपा 2. स्वर्ण, सोना 3. मोतियों का हार या आभूषण 4. सफेद रंग, सफेद, शुक्ल 5. रक्त, लहू 6. हाथी दाँत 7. नक्षत्रपुंज, तारासमूह 8. चाँदी के रंग का, चाँदी से बना हुआ 9. उज्ज्वल, सफेद 10. लाल, सुर्ख।

रजतजयंती स्त्री. (तत्.) किसी व्यक्ति या संस्था की 25 वीं वार्षिक जयंती।

रजतद्युति स्त्री. (तत्.) चाँदी जैसी चमक पुं. हनुमान।